

निषेवक वि. (तत्.) 1. निषेवण, अनुसरण, अभ्यास करने वाला 2. उपासक 3. सेवक 4. अनुरागी 5. प्रयोग में लाने वाला 6. उपयोग करने वाला।

निषेवण पुं. (तत्.) 1. जीवन वृत्ति के लिए किया जाने वाला कार्य, सेवा, नौकरी 2. उपासना 3. निवास 4. अनुराग 5. अभ्यास या प्रयोग 6. परिचय।

निष्कंटक वि. (तत्.) [निस्+कंप] 1. जो कंटक (काँटो) से रहित हो जैसे- निष्कंटक वृक्ष, मार्ग आदि 2. (वह जीवन या कार्य या अधिकार) जो किसी प्रकार की बाधा, आपत्ति, झंझट या संकट, उपद्रव आदि से रहित हो, निर्विघ्न 3. शत्रुओं से शून्य 4. भयरहित क्रि.वि. बिना किसी प्रकार की रुकावट या बाधा के जैसे- वह निष्कंटक शासन कर रहा है।

निष्कंप वि. (तत्.) 1. जो कंपन रहित हो, स्थिर, दृढ़, जो बिल्कुल हिलता-डुलता न हो 2. गतिहीन, अचल जैसे- निष्कंप तरु, निष्कंप तनु।

निष्क पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल में प्रचलित एक सोने का सिक्का 2. उक्त सिक्के की बराबर की मात्रा, कर्ष या 16 मासा 3. सुवर्ण, सोना 4. सोने का बना हार 5. 108 या 150 सुवर्णों की एक प्राचीन तौल 6. दीनार 7. चांडाल टि. प्राचीन गणितज्ञ भास्कराचार्य ने अपने ग्रंथ लीलावती में निष्क परिमाण का विस्तृत उल्लेख किया है।

निष्कपट वि. (तत्.) छल, धोखा आदि से रहित, साफ-सुथरा (व्यवहार)।

निष्कपटता स्त्री. (तत्.) जिसके मन में किसी प्रकार का दुराव न हो, स्वच्छ, निष्कपट जीवन; व्यक्ति का वह आंतरिक भाव जो कपट से पूर्णतया रहित हो, कपटशून्यता, कपटहीनता, निश्छलता।

निष्कपट-व्यवहार पुं. (तत्.) शुद्धनिश्छल मन से किया हुआ कार्य।

निष्कपटी वि. (तत्.) वह व्यक्ति जिसका आचरण किसी प्रकार के कपट भाव से रहित तथा स्वच्छ हो जैसे- निष्कपटी व्यक्ति समाज के लिए आदर्श होते हैं।

निष्करुण वि. (तत्.) 1. जिसमें करुणा न हो, निर्दय, करुणाहीन 2. क्रूर।

निष्कर्म वि. (तत्.) 1. जो बिना किसी कर्म (वृत्ति, व्यवसाय आदि) के हो, निष्क्रिय, बेकार, बिना रोजगार के जैसे- इस समय वह निष्कर्म हुआ बैठा है 2. किसी कर्म के प्रति आसक्त न होने वाला, निष्काम भाव से कर्म करने वाला 3. सभी प्रकार के उत्तरदायित्वों से मुक्त जीवन जीने वाला, निष्कर्म जीवन।

निष्कर्मा वि. (तत्.) 1. कोई कामना लिए बिना किसी कर्म को करने वाला 2. जिसकी किसी कार्य के लिए उपयोगिता न हो जैसे- वह अब किसी काम का नहीं है, निष्कर्मा बना बैठा रहता है।

निष्कर्ष पुं. (तत्.) 1. ऐसा परिणाम जो उचित विचार-विमर्श के पश्चात् निकाला जाता है, खोजबीन के बाद किया हुआ सारभूत निश्चय 2. सार, सार-संग्रह, किसी विषय या पाठ का सारांश, निचोड़।

निष्कर्षक वि. (तत्.) 1. निष्कर्षण करने वाला, सारतत्त्व निकालने वाला 2. अर्क निकालने वाला, निचोड़ने वाला।

निष्कर्षण पुं. (तत्.) 1. (किसी वस्तु आदि को) खींच कर निकालना जैसे- कील का निष्कर्षण, काँटे का निष्कर्षण, दाँत का निष्कर्षण 2. दूर करना 3. निष्कर्ष निकालना 4. रसा.वि. मिश्रण में से वांछित वस्तु को अलग निकालने की क्रिया जैसे- खनिजों में से शुद्धधातु का निष्कर्षण।

निष्कलंक वि. (तत्.) 1. जिसमें किसी प्रकार का कलंक या दोष न लगा हो, कलंकरहित, दोषरहित 2. कलंक या किसी प्रकार के लांछन से रहित, शुद्ध, निर्दोष विलो. कलंकित।

निष्कलंकी वि. (तत्.) कलंक रहित, निष्कलंक जैसे- उनका निष्कलंकी व्यक्तित्व सभी को प्रभावित करता था।